INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हरियाणा CET

COMMON ELIGIBILITY TEST

ग्रुप – C एवं ग्रुप – D पदों के लिए

भाग – 4

हिंदी एवं अंग्रेजी

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**हरियाणा CET (Common Eligibility Test)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (HSSC)**, द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**हरियाणा CET (Common Eligibility Test)**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें* **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 01414045784, 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम

हिन्दी

1. हिंदी वर्णमाला 1
2. संज्ञा (Noun) 4
3. सर्वनाम 10
4. प्रत्यय 12
5. उपसर्ग 17
6. सन्धि 20
7. समास 27
8. क्रिया 41
9. काल 42
10.वचन 44
11. विशेषण और विशेष्य 46
12. कारक 49
13. वाच्य 51
14.पदबंध 53
15.निपात 54
16.विराम चिह्न 55
17. शब्द रूप लिंग 59
18. पर्यायवाची शब्द (SYNONYMS) 62
19. विलोम शब्द 67
20. अव्यय (अविकारी शब्द) 78

21.मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 83
22. तद्भव एवं तत्सम, देशज, विदेशज 97
23. अनेकार्थक शब्द 100
24. समरूपी भिन्नार्थक शब्द 102
25. वाक्य-शुद्धि 109
26. वाक्यांशों के स्थान पर एक शब्द 115
27. अलंकार 125
28. अपठित गद्यांश 132
29. कवि (लेखक) एवं उनकी प्रसिद्ध रचनायें 137

English

1. Article 139
2. Noun (संज्ञा) 155
3. Pronoun 167
4. Adjective (विशेषण) 177
5. The Verb 188
6. Adverb 195
7. Preposition 203
8. Conjunction (समुच्चय-बोधक अव्यय) 222
9. Time And Tense 227
10. Spot the Error 240

11. Active / Passive Voice of Verb 245
12. Conversion into Direct & Indirect Narration 254
13. Phrase Replacement / Improvement of Sentences 261
14. Antonyms / synonyms 266
15. Cloze Passage 282
16. Idioms & phrases 284
17. Spelling / Detecting mis_spelt words 291
18. One Word Substitution 294
19. Shuffling of Sentence Parts 304
20. Fill in the blanks 307
21. Homonyms 314
22. Comprehension Passage 317
23. Shuffling of Sentences in a Passage 332

अध्याय – 1
हिंदी वर्णमाला

भाषा के दो रूप होते हैं-

1. **मौखिक या उच्चारित भाषा-** मौखिक भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि होती है। वास्तव में ध्वनि का संबंध सुनने व बोलने से है। यह भाषा उच्चारण पर आधारित होती है। उच्चारण करने के लिए मानव के जो मुख्य-अवयव काम करते हैं वह उच्चारण अवयव कहलाते हैं।

2. **लिखित भाषा-** लिखित भाषा की सूक्ष्मतम इकाई वर्ण होती है। वर्ण का संबंध लिखने व देखने से है। वर्ण ध्वनि रूपी आत्मा का शरीर है।
लिखित रूप से भाषा की वह छोटी से छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हो वर्ण कहलाते हैं।
जैसे एक शब्द है - नीला।
नीला शब्द के यदि टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- नी + ला
अब यदि नी और ला के भी टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- न् + ई तथा ल् + आ।
अब यदि न ई, ल् आ के भी हम टुकडे करना चाहे तो यह संभव नहीं है। अतः ये वर्ण कहलाते हैं।
ये वर्ण दो ही प्रकार के होते हैं- स्वर तथा व्यंजन
वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, शब्दों के मेल से वाक्य तथा वाक्यों के मेल से भाषा बनती है। अतः वर्ण ही भाषा का मूल आधार है।
हिंदी में वर्णों की संख्या ५५ है।
वर्णों को दो भागों में बांटा जाता है

1. **स्वर** 2. **व्यंजन**

1. **स्वर** - स्वतंत्र रूप से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ स्वर कहलाती है, अर्थात वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता नहीं होती स्वर कहलाते हैं।
स्वरों की संख्या 11 - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
मात्राओं की संख्या 10 - क्योंकि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती।

2. **व्यंजन** - वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता होती है, अर्थात स्वरों के सहयोग से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ व्यंजन कहलाती है।
व्यंजनों की संख्या 33 होती है।

विशेष

1. हिंदी निदेशालय 1966 के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।
2. हिंदी की मानक लिपि 'देवनागरी' के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।

स्वरों का वर्गीकरण पाँच भागों में बांटा जाता है।

1. **उच्चारण अवधि के आधार पर-**

1. **लघु स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में कम समय लगता है, अर्थात् एक मात्रा का समय लगता है, लघु स्वर कहलाते हैं।
जैसे- अ, इ, उ, ऋ
इन्हें मूल स्वर और ह्रस्व स्वर भी कहते हैं।

2. **दीर्घ स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में लघु स्वरों की तुलना में दोगुना समय लगता है अर्थात दो मात्रा का समय लगता है, दीर्घ स्वर कहलाते हैं।
जैसे- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
इन्हें सन्धि स्वर भी कहते हैं।

3. **ओष्ठाकृति के आधार पर -**

1. **वृत्ताकार स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत्त के समान गोल हो जाती है, वृत्ताकार स्वर कहलाते हैं।
जैसे- उ, ऊ, ओ, औ

2. **अवृत्ताकार स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत के समान गोल न होकर फैले रहते हैं। अवृत्ताकार स्वर कहलाते हैं।
जैसे- अ, आ, इ, ई, ऋ, ए, ऐ

3. **जिह्वा की क्रियाशीलता के आधार पर:-**

1. **अग्र स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा का अगला भाग क्रियाशीलता रहता है, अग्र स्वर कहलाते हैं।
जैसे- इ, ई, ऋ, ए, ऐ

2. **मध्य स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा का मध्य भाग क्रियाशील रहता है, मध्य स्वर कहलाते हैं।
जैसे- 'अ'

3. **पश्च स्वर-** वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा का पिछला (पश्च) भाग क्रियाशील रहता है, पश्च स्वर कहलाते हैं।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जैसे- आ, उ, ऊ, ओ, औ

4. **मुखाकृति के आधार पर -**

1. **संवृत स्वर**- वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख वृत्त के समान बंद-सा रहता है, अर्थात् सबसे कम खुलता है, संवृत स्वर कहलाते हैं।

 जैसे- इ, ई, उ, ऊ, ऋ

2. **अर्द्ध संवृत स्वर**- वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख संवृत स्वरों की तुलना में आधा बंद-सा रहता है, अर्द्ध संवृत स्वर कहलाते हैं।

 जैसे- ए, ओ

3. **विवृत्त स्वर**- विवृत का अर्थ होता है 'खुला हुआ', वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख्य पूरा खुला रहता है अर्थात सबसे ज्यादा खुला रहता है विवृत स्वर कहलाते हैं ।

 जैसे- 'आ'

4. **अर्द्ध विवृत्त** - वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख विवृत स्वरों की तुलना में आधा और अर्द्ध-संवृत स्वरों की तुलना में ज्यादा खुला-सा रहता है, अर्द्ध विवृत स्वर कहलाते हैं।
 जैसे- अ, ऐ, औ

5. **नासिका के आधार पर-**

1. **निरनुनासिका स्वर**- वे स्वर जिनके उच्चारण में नासिका का प्रयोग नहीं किया जाता अर्थात् सिर्फ मुख से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ, निरनुनासिक कहलाती हैं।

 जैसे- सभी स्वर

2. **अनुनासिक स्वर**- वे स्वर जिनके उच्चारण में नासिक का प्रयोग किया जाता है, अर्थात मुख के साथ-साथ नासिक से भी उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ अनुनासिक। सानुनासिक कहलाती हैं।
 जैसे- अँ, आँ, इँ, ईं, उँ, ऊँ, ऋँ, एँ, ऐं, ओं, औं

व्यंजनों का वर्गीकरण

1. **उच्चारण प्रयत्न के आधार पर-**

ध्वनियों के उच्चारण में होने वाले यत्न को 'प्रयत्न' कहा जाता है। यह प्रयत्न तीन प्रकार से होते हैं-

1. **स्वरतंत्री में कंपन्न**- स्वरतंत्रियो में होने वाली कंपन्न, नांद या गूंज के आधार पर व्यंजनों के दो भेद किए जाते हैं - सघोष और अघोष

 अघोष वर्ण- जिन ध्वनियों के उच्चारण में भारीपन नहीं रहता है वे अघोष ध्वनियाँ कहलाती हैं।
 वर्गीय व्यंजनों के पहले व दूसरे व्यंजन अघोष होते हैं। (क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ तथा ष, श, स)।
 सघोष वर्ण- जिन ध्वनियों के उच्चारण में भारीपन रहता है वे सघोष ध्वनियां कहलाती हैं।
 वर्गीय व्यंजनों का तीसरा, चौथा और पाँचवां व्यंजन 'सघोष होता है।
 (ग, घ, ड़, ज, झ, ञ, ड़, ढ़, ण, द, ध, न, ब, भ, म) अन्तः स्थ (य, र, ल, व) तथा ह । सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं।

2. **श्वास वायु की मात्रा**- उच्चारण में वायु प्रक्षेप या श्वास वायु की मात्रा की दृष्टि से व्यंजनों के दो भेद है-

 1. अल्पप्राण 2. **महाप्राण**

1. **अल्पप्राण**- जिनके उच्चारण में श्वास मुख से अल्प मात्रा में निकले और जिनमें 'हकार' जैसी ध्वनि नहीं होती, उन्हें अल्पप्राण ध्वनियाँ कहलाती है। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवा वर्ण अल्पप्राण व्यंजन है।

 जैसे- क, ग, ड़, च, ज, ञ, ट, ड़, ण, त, द, न, प, ब, म।
 अन्तस्थ (य, र, ल, व) तथा सभी स्वर भी अल्पप्राण ही है।

2. **महाप्राण**- महाप्राण व्यंजनों के उच्चारण में 'हकार' जैसी ध्वनि विशेष रूप से रहती है और श्वास अधिक मात्रा में निकलती है। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण तथा समस्त ऊष्म वर्ण महाप्राण होते हैं।

 जैसे- ख, घ, छ, झ, ठ, ढ़, थ, ध, फ, भ और ष, श, स, ह।

3. **मुख अवयवों द्वारा श्वास को रोकने के रूप में-**

ध्वनियों का उच्चारण करते समय हमारी जीव या अन्य मुख्य अवयव अनेक प्रकार से प्रयन्न करते हैं इस आधार पर व्यंजनों को निम्नलिखित विभाजन किया जाता है।
स्पर्शी व्यंजन- ये कंठ, तालु, मूर्धा, दंत और ओष्ठ स्थानों के स्पर्ष से बोले जाते हैं इसलिए इन्हें स्पर्षी व्यंजन कहते हैं।
उदाहरणार्थ-
क वर्ग -क, ख, ग, घ, ड़ (कंठ से)
च वर्ग -च, छ, ज, झ, ञ (तालु से)
ट वर्ग - ट, ठ, ड़, ढ़, ण (मूर्धा से)
त वर्ग - त, थ, द, ध, न (दन्त से)
प वर्ग - प, फ, ब, भ, म (ओष्ठ से)

निः + रस = नीरस

निः + रोग = नीरोग

निः + रव = नीरव (शान्त , एकान्त ,सूनापन ,जनरहित स्थान)

दुः + राज = दूराज

अध्याय – 7

समास

⇒ **समास का शाब्दिक अर्थ** - जोड़ना या मिलाना। अर्थात समास प्रक्रिया में दो या दो से अधिक शब्दों को आपस में मिलाकर एक शब्द बनाया जाता है!

⇒ दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को समास कहते है।

⇒ **समस्त पद (सामासिक पद)**-समास के नियमों का पालन करते हुए जो शब्द बनता है उसे समास पद या सामासिक,पद कहते हैं।

⇒ समस्त पद के सभी पदों को अलग अलग किए जाने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहलाती है।

⇒ समास वह शब्द रचना है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर स्वतंत्र सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते है।

सामासिक शब्द में आए दो पदों में पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं। ।

जैसे:-

गंगाजल गंगाजल - गंगा का जल

(पूर्वपद) (उत्तरपद) (समस्त पद) (समास विग्रह)

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रस्तुत कर देना ही समास का प्रमुख उद्देश्य होता है।

समास के प्रकार Types Of Compound

अव्ययीभाव कर्मधारयसमास

समास तत्पुरुष समास द्विगु समास

बहुव्रीहि समास

कर्म तत्पुरुष संप्रदान तत्पुरुष सम्बन्ध तत्पुरुष

(द्वितीय तत्पुरुष) (चतुर्थी तत्पुरुष)(षष्ठी तत्पुरुष)

(को)(के लिए) (का, की, के)

करण तत्पुरुष अपादान तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष

(तृतीय तत्पुरुष) (पंचमी तत्पुरुष) (सप्तमी तत्पुरुष)

(से, के द्वारा) से (अलग होने के अर्थ से) (मे, पर)

<u>पद की प्रधानता के आधार पर समास का वर्गीकरण</u>

(क) पूर्वपद प्रधान –अव्ययीभाव

(ख) उत्तर पद प्रधान - तत्पुरुष, कर्मधारय और दिगु

(ग) दोनों पद प्रधान-द्वन्द्व

(घ) दोनों पद अप्रधान - बहुव्रीहि (इसमें कोई तीसरा अर्थ प्रधान होता है)

<u>नोट:</u>

भारतीय भाषा में कुछ ऐसे शब्द है जिनके रुप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन या विकार उत्पन्न नहीं होता है, उन्हें अव्यय शब्द या अविकारी शब्द कहते हैं।

अर्थात ऐसे शब्द जिनका व्यय ना हो, उन्हे अव्यय शब्द कहते हैं।

जैसे – यथा, तथा, यदा, कदा, आ, प्रति , जब, तब, भर, यावत , हर आदि।

(I)<u>अव्ययीभाव समास Adverbial Compound</u>

जिस समास में पहला पद अर्थात पूर्वपद प्रधान तथा अव्यय होता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

<u>पहचान</u>- सामासिक पद (समस्त पद) मे यथा, आ, अनु, प्रति, भर, तथा, यदा, कदा, जब, तब, यावत, हर आदि शब्द आते हैं।

समस्त पद	-	**विग्रह**
आजन्म	-	जन्म से लेकर
आमरण	-	मरने तक
आसेतु	-	सेतु तक
आजीवन	-	जीवन भर
अनपढ़	-	बिना पढ़ा
आसमुद्र	-	समुद्र तक
अनुरुप	-	रुपके योग्य
अपादमस्तक	-	पाद से मस्तक तक
यथासंभव	-	जैसा सम्भव हो/जितना सम्भव हो सके
मीठा – मीठा	-	बहुत मीठा
चुप्पे –चुप्पे	-	बिल्कुल चुपचाप
आगे- आगे	-	बिल्कुल आगे
गली – गली	-	प्रत्येक गली
दूर - दूर	-	बिल्कुल दूर
सुबह - सुबह	-	बिल्कुल सुबह
एकाएक	-	एक के बाद एक
दिनभर	-	पूरे दिन
दो – दो	-	दोनों दो। प्रत्येक दोनों
रोम- रोम	-	पूरे रोम मे
नए – नए	-	बिल्कुल नए
हरे - हरे	-	बिल्कुल हरे
बारी – बारी	-	एक एक करके / प्रत्येक करके
बे – मारे	-	बिना मारे
जगह – जगह	-	प्रत्येक जगह
मील – भर	-	पूरे मील
गरमागरम	-	बहुत गरम
पतली-पतली	-	बहुत पतली
हफ्ता भर	-	पूरे हफ्ते
प्रति एक	-	प्रत्येक
एक - एक	-	हर एक / प्रत्येक

धीरे – धीरे	-	बहुत धीरे
कोना-कोना	-	सारा कोना
मात्र	-	केवल एक
भरा-भरा	-	बहुत भरा
शुरु – शुरु	-	बहुत आरंभ/शुरु में
अंग- अंग	-	प्रत्येक अंग
अहैतुक	-	बिना किसी कारण के
प्रतिवर्ष	-	वर्ष – वर्ष /हर वर्ष
प्रत्यक्ष	-	आँख के सामने
बेफायदा	-	फायदे के बिना
बाकायदा	-	कायदे के अनुसार
बेखटके	-	बिना खटके के
निड़र	-	ड़र के बिना
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
प्रतिध्वनि	-	ध्वनि की ध्वनि

(2) <u>तत्पुरुष समास Determinative compound -</u>

जिस समास मे बाद का अथवा उत्तरपद प्रधान होता है तथा दोनों पदो वे बीच का कारक-चिन्ह लुप्त हो जाता है, उसे तत्पुरुष समास कहते है। तत्पुरुष समास छः प्रकार के होते हैं, जो निम्नलिखित हैं-

[I]कर्मतत्पुरुष समास (द्वितीय तत्पुरुष):- जिस तत्पुरुष समास में कर्मकारक की विभक्ति लुप्त हो जाती है, वहाँ कर्मतत्पुरुष समास है। जैसे –

समस्त पद	-	**विग्रह**
गगनचुम्बी	-	गगन को चूमने वाला
यश प्राप्त	-	यश को प्राप्त
चिड़ीमार	-	चिड़ियों को मारने वाला
ग्रामगत	-	ग्राम को गया हुआ
रथचालक	-	रथ को चलाने वाला
जेबकतरा	-	जेब को काटने वाला
जनप्रिया	-	जन को प्रिय
स्वर्गीय	-	स्वर्ग को गया
वनगमन	-	वन को गमन
सर्वप्रिय	-	सब को प्रिय
गिरहकट	-	गिरह को काटने वाला गिरह / गांठ
हस्तगत	-	हस्त को गया हुआ
प्राप्तोदक	-	उदक (जल) को प्राप्त तक
तिलकुटा	-	तिल को कूटकर बनाया हुआ
जगसुहाता	-	जग को सुहाने वाला
कृष्णार्पण	-	कृष्ण को अर्पण

<u>[II] करण तत्पुरुष समास (तृतीय तत्पुरुष):-</u> जिस तत्पुरुष समास मे करणकारक की विभक्ति 'से', 'के द्वारा' लुप्त हो जाती है, वहाँ करण तत्पुरुष समास है।

समस्त पद	-	**विग्रह**
करुणापूर्ण	-	करुणा से पूर्ण
भयाकुल	-	भय से आकुल
रेखांकित	-	रेखा से अंकित
शोकग्रस्त	-	शोक से ग्रस्त
मदान्ध	-	मद से अन्धा
मनचाहा	-	मन से चाहा
पददलित	-	पद से दलित
प्रशिक्षण	-	विशेष प्रशिक्षण (विशेष द्वारा शिक्षण)
कष्टसाध्य	-	कष्ट से साध्य
मदमाता	-	मद (मस्त) से माता (भरा)

अध्याय – 22

तद्भव एवं तत्सम, देशज, विदेशज

तत्सम एवं तद्भव

शब्द – भेद

बनावट के आधार पर

- रूढ़
- यौगिक
- योग रूढ़

उत्पत्ति के आधार पर

- तत्सम
- तद्भव
- देशज
- विदेशी
- संकर

परम्परागत तत्सम

जो शब्द संस्कृत वाड्मय में उपलब्ध है, वे परंपरागत तत्सम कहे जाते हैं ।

निर्मित तत्सम शब्द

" जो शब्द नए विचारों और व्यापारों की अभिव्यक्ति करने के लिए संस्कृत के व्याकरण के अनुसार समय – समय पर बना लिए गए हैं "

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. तत्सम : ' तत्सम ' (तत् + सम) शब्द का अर्थ है – 'उसके समान' अर्थात् संस्कृत के समान । हिन्दी में अनेक शब्द संस्कृत से आए हैं और आज भी उसी रूप में प्रयोग किए जा रहे हैं । अत: संस्कृत के ऐसे शब्द जिसे हम ज्यों- का – त्यों प्रयोग में लाते है, तत्सम शब्द कहलाते हैं ; जैसे – अग्नि,वायु, माता, पिता, प्रकाश , पत्र सूर्य आदि ।
2. तद्भव शब्द – ' तद्भव ' शब्द का अर्थ है- ' उससे होना ' ; अर्थात् वे शब्द जो ' स्त्रोत भाषा ' के शब्दों से विकसित हुए हैं । चूँकि ये शब्द संस्कृत

से चलकर पालि – प्राकृत अपभ्रंश से होते हुए हिन्दी तक पहुंचे है , अत : इनके स्वरूप में परिवर्तन आ गया है , जैसे – 'दही' शब्द 'कान्ह' शब्द (कृष्ण) से विकसित होकर हिन्दी में आए हैं ऐसे शब्दों को '**तद्भव शब्द**' कहा जाता है ।

तद्भव	तत्सम
सोना	स्वर्ण
सोलह	षोड़स
कूची	कूर्चिका
मयूर	मोर
पिय	प्रिय
किवाड़	कपाट
कान	कर्ण
खेत	क्षेत्र
घर	गृह
गाय	गौ
बात	वार्ता
चंदा	चन्द्रमा
अमिय	अमृत
माता	मातृ
काठ	काष्ठ
लोहा	लौह
बन्दर	वानर
दूध	दुग्ध

3. **देशज / देसी :** 'देशज' (देश+ज) शब्द का अर्थ है- देश में जमा | अतः ऐसे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थिति व आवश्यकतानुसार बनकर प्रचलित हो गए हैं, देशज या देशी शब्द कहलाते हैं ; जैसे – थैला , गड़बड़ , टट्टी , पेट , पगड़ी , लोटा ,टाँग , ठेठ आदि ।

4. **विदेशज / विदेशी / आगत :** ' विदेशज ' (विदेश+ज) शब्द का अर्थ है –' विदेश में जन्मा ' | 'आगत' शब्द का अर्थ है आया हुआ हिन्दी में अनेक शब्द ऐसे है जो हैं तो विदेशी मूल के, पर परस्पर संपर्क के कारण यहाँ प्रचलित हो गए हैं | अतः अन्य देश की भाषा से आए हुए शब्द विदेशज शब्द कहलाते हैं विदेशज शब्दों में से कुछ को ज्यो-का-त्यों अपना लिया गया है (ऑर्डर, कम्पनी, कैम्प, क्रिकेट इत्यादि) और कुछ को हिन्दीकरण (तद्भवीकरण) कर के अपनाया गया है |

(ऑफिसर > अफसर, लैनटर्न > लालटेन, हॉस्पिटल > अस्पताल, कैप्टेन > कप्तान, गोडाउन > गोदाम, जैन्युअरि > जनवरी) इत्यादि |

अरबी शब्द

अक्ल, अजब, अजाएब, अजीब, असर, अहमक, अल्ला, अदा, आदत, आदमी, आखिर, आसार, इलाज, इनाम, इस्तीफा, इज्जत, इजलास, इमारत, .ईमान, उम्र, एहसान, औरत, औलाद, औसत, कर्ज, कमाल, कब्र, कदम, कसूर, कसर, कसम, कसरत, किला, किस्त, किस्मत, किस्सा, किताब, कुर्सी, खत, खत्म, खबर, खराब, ख्याल, गरीब, गैर, जलसा, जिस्म, जाहिल, जहाज, जवाब, जनाब, जालिम, जिहन, तकदीर, तकिया, तरफ, तमाम, तकाजा, तुर्की, तजुरबा, तमाशा, तारीख, दगा, दफा, दफ्तर, दवा, दल्लाल, दावा, दान, दावत, दाखिल, दिक,दीन, दुआ, दुकान, नकद, नकल, नहर, नशा, नतीजा, चाल, फकीर, फायदा, फैसला, बाकी, मवाद, मदद, मल्लाह, मजबूर, मरंजी, मशहूर, मजमून, मतलब, मालूम, मामूली, मात, मानी, मिसाल, मुदई, मुसाफिर, मुंसिफ, मुकदमा, मौका, मौलवी, मौसम, यतीम, राय, लफ्ज, लहजा, लायक, लिफाफा, लियाकत, लिहाज, वकील, वहम, वारिस, शराब, हक, हद, हरामी, हमला, हवालात, हाजिर, हाशिया, हल, हाकिम, हिसाब, हिम्मत, हैजा, हौसला इत्यादि।

फारसी शब्द

अदा, अफसोस, आतिशबाजी, आबरू, आबदार, आमदनी, आराम, आफत, आवाज, आईना,

अध्याय – 26

वाक्यांशों के स्थान पर एक शब्द

'अ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- जो सबके आगे रहता हो - अग्रणी
- किसी आदरणीय का स्वागत करने के लिए चलकर कुछ आगे पहुँचना - अगवानी
- जिसकी गहराई या थाह का पता न लग सके - अगाध
- जो गाये जाने योग्य न हो - अगेय
- जो छेदा न जा सके - अछेद्य
- जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो - अजातशत्रु
- जिसे जीता न जा सके – अजेय
- जिसके खंड या टुकड़े न किये गये हों - अखंडित
- जो खाने योग्य न हो - अखाद्य
- जो गिना ना जा सके - अगणित/अनगिनत
- जिसके अंदर या पास न पहुँचा जा सके - अगम्य
- जिसके पास कुछ भी न हो - अकिंचन
- जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो - अक्षम
- जिसका खंडन न किया जा सके - अखंडनीय
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो - अगोचर
- दूर तक फैलने वाला अत्यधिक नाशक आग - अग्निकांड
- जिसका जन्म पहले हुआ हो - अग्रज
- जो किसी देन या पारिश्रमिक मद्धे पहले से ही सोचे - अग्रिम
- जो अंडे से जन्म लेता है - अंडज
- किसी कथा के अन्तर्गत आने वाली कोई दूसरी कथा - अंतक्रथा
- राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास - अंतपुर
- मन में आप से उत्पन्न होने वाली प्रेरणा - अंतप्रेरणा
- अंक में सोने वाला - अंकशायी
- अंक में स्थान पाया हुआ - अंकस्थ

'आ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- अग्नि से संबधित या आग का - आग्नेय
- पूरे जीवन में - आजीवन
- जिस पर किसी का आतंक छाया हो – आतंकित
- जो बहुत क्रूर स्वभाव वाला हो - आततायी
- जो मृत्यु के समीप हो - आसन्नमृत्यु/मरणासन्न
- बालक से लेकर वृद्ध तक - आबालवृद्ध
- जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हो - आजानुबाहु
- जो जन्म लेते ही मर जाए - आदण्डपात
- जिसे विश्वास या दिलासा दिलाया गाया हो - आश्वस्त
- आशा से बहुत अधिक - आशातीत
- वह कवि जो तत्काल कविता कर डालता है - आशुकवि
- जो अपनी हत्या कर लेता है - आत्मघाती
- अपने आप को किसी के हाथ सौंपना या समर्पित करना - आत्मसमर्पण
- दूसरों के (सुख के) लिए अपने सुखों का त्याग – आत्मोत्सर्ग

'इ' व 'ई' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया वृत - इतिवृत्त
- किसी देश या समाज के सार्वजनिक क्षेत्र की घटनाओं, तथ्यों आदि का क्रमबद्ध विवरण- इतिहास
- इतिहास का जानकार - इतिहासज्ञ
- जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो - ईर्ष्यालु
- उत्तर-पूर्व के बीच की दिशा - ईशान
- इस लोक से संबंधित - इहलौकिक/ऐहिक
- प्रायः वर्षा ऋतु में आकाश में दिखायी देने वाले सात रंगों वाले धनुष - इंद्रधनुष

Chapter – 1

Article

Articles ' **adjective'** के जैसे होते हैं क्योंकि ये सामान्य(general)या विशेष(specific) रूप से noun की विशेषता बताते हैं ।
'A', 'An' एवं 'The', 'Articles' कहलाते हैं ।
Articles दो प्रकार के होते हैं । :-

(1). Indefinite articles या general articles (A, An)

"A" ओर "An" indefinite articles होते हैं ये noun के बारे में सामान्य जानकारी देते हैं और जो भी जानकारी दे रहे होते हैं उसकी पहली बार बात की जा रही होती है उसके बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं होती है ,ये countable nouns के एकवचन रूप (singular form) के साथ प्रयोग किये जाते है ।

Ex1 - यह कुर्सी है । = This is a chair.

Ex2 - मुझे पेन की जरूरत है । = I need a pen.

Ex3 – एक गाँव था। = There was a village.
Ex4 -सीता ने गाना गाया ।= Sita sang a song.

- इस वाक्य में एक सामान्य जानकारी दी जा रही है और यहाँ pen,village,song के बारे में पहली बार जानकारी (first information) दी जा रही है ,इसलिए यहाँ article "a " का प्रयोग किया गया है ।
- इन हिंदी वाक्यों में 'एक' नहीं होते हुए भी, इनका अंग्रेजी अनुवाद करते समय हमने 'A / An ' का प्रयोग किया है |
- वाक्यों में Singular Countable Noun से पूर्व,(यदि वह अनिश्चित है) Article 'A / An' का प्रयोग अवश्य किया जाता है | इन वाक्यों का यह अनुवाद गलत है :-
  (a). This is chair. (incorrect)
  (b). Sita Sang song. (Incorrect)

OTHER EXAMPLE OF INDEFINITE ARTICLES('A','An'):-

1. My daughter really wants **a** dog for Christmas.
2. When I was at the zoo,I saw **an** elephant!
   यहाँ EX-1 कोई भी सामान्य से dog की बात की जा रही है और EX-2 में एक सामान्य Elephant की बात की गयी है इसलिए dog और Elephant के पहले article 'a' का प्रयोग किया गया है ।

(2). Definite articles या specific articles(The) :-

"The" definite article होता है। ये noun के विशेष रूप (specific form) को दर्शाता हैं जैसे कोई एक विशेष(unique) वस्तु, ऐसी वस्तु जिसके बारे में वक्ता(speaker) को पहले से जानकारी हो या जिसके बारे में वाक्य में पहले बताया गया हो

Ex-1 –She brought **a** saree.= उसने एक साड़ी खरीदी
यहाँ इस वाक्य में उसने कोई भी एक सामान्य साड़ी खरीदी इसलिए इस वाक्य में saree के पहले indefinite article "a" का प्रयोग किया गया है ।
The saree is very costly.=साड़ी बहुत महंगी है ।
इस वाक्य में कोई सामान्य साड़ी की बात नहीं हो रही है यहाँ एक ऐसी साड़ी की बात की गयी है जिसकी जानकारी वक्ता (speaker) को पहले से है इसलिए यहाँ साड़ी से पहले The का प्रयोग किया गया है ।

ex-2 –**The** sun sets in the west.=सूरज पश्चिम में छिपता है ।
यहाँ sun एक विशेष (unique) वस्तु है। और west एक विशेष (unique) दिशा (direction) है इसलिए इनसे पहले the का प्रयोग किया गया है ।

Other example of definite article (The)

ex-1 –**The** man who wrote this book is famous.
यहाँ एक विशेष man की बात हुई है जिसने book लिखी है । इसलिए यहाँ man से पहले the का प्रयोग किया गया है ।

ex-2-I live in **the** small house with blue door
यहाँ house के बारे में वक्ता (speaker) को पहले से जानकारी है इसलिए house से पहले the का प्रयोग किया गया है ।

ARTICLE का प्रयोग कहां होता है?

She is _________ excellent.

- कई लोग ' excellent ' देख तुरंत 'an' का प्रयोग कर देते हैं परंतु इस वाक्य में कोई article का प्रयोग नहीं होगा क्योंकि 'excellent ' के बाद कोई noun नहीं है | अगर किसी वाक्य में article है तो noun भी अवश्य होना चाहिये अगर ऐसा नही है तो वो वाक्य पूरी तरह से गलत होगा।

जैसे :- she is an excellent student. (✓)
Sakshi is an extremely beautiful. (×)
(adverb) (adjective)

यहाँ " extremely" adverb है और" beutiful"adjective है इस वाक्य में noun नहीं है इसलिए ये वाक्य पूरी तरह से गलत है।

Article का प्रयोग noun के पहले होता है।
जैसे :- she is a student.
Noun

- अगर noun की विशेषता बताने वाला adjective वाक्य में मौजूद हो तो article का प्रयोग adjective के पहले होगा |

जैसे :- she is an excellent student.
Adj. Noun

- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा |

जैसे :- she is a very excellent student.
Adv. Adj. Noun

- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा |

जैसे :- she is a very excellent student.
Adv. Adj. Noun

Indefinite articles (A, An) का प्रयोग कहां किया जाता है?

1.A / An का प्रयोग अनिश्चित (Indefinite) singular countable Noun से पूर्व किया जाता है | (निश्चित होने पर Noun के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है)

इसलिए A / An को Indefinite articles कहा जाता है ; जैसे :-
(a). I have a car.
(b). He sang a song
(c). This is an orange.
(d). Ram is a student.

नोट :- 'Noise' uncountable Noun है | फिर भी इसके साथ Article 'a' का प्रयोग होता है |

जैसे :- do not make a noise.

NOTE:- अंग्रेजी भाषा में A,E,I,O,U स्वर और सामान्यत (generally) इनसे पहले हम An का प्रयोग करते है । लेकिन हम हिन्दी में आने वाले स्वर अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ऐ...को प्राथमिकता (priority) देते है ,अगर अंग्रेजी भाषा के किसी शब्द का उच्चारण (pronounciation) अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ऐ... से शुरु हो रहा हो तो हम an का प्रयोग करते है। जैसे-

An Umbrella	-	अंब्रेला
A Union	-	यूनियन
A One rupee note	-	वन रुपी नोट
A Europe	-	यूरोप
An honest man	-	ऑनेस्ट मैन

ABBREVIATION में भी उच्चारण के अनुसार चलें |

जैसे :-
(a). He is **an** MLA /MP (एम.एल.ए. / एम.पी)
(b). He lodged **an** FIR. (एफ.आई.आर.)
(C). He is **an** IAS officer. (आई.ए. एस.)
(d). He is **an** SDO. (एस.डी. ओ)
(e). I have **an** X-ray machine.(एक्स-रे)
(f). She in **an** LLB. (एल. एल.बी.)
(g). I have been waiting for **an** hour. (आवर)
(h). He is **an** heir to the throne. (एयर)
(i). Ram is **an** honest person. (ऑनेस्ट)

कुछ अन्य उदाहरण

1. **An** honour.
2. **An** honorable person.
3. **An** heir.
4. **A** house.
5. **An** honorarium.
6. **A** historical monument.
7. **An** eagle.
10. **A** European.
11. **A** Universit

Chapter – 5

The Verb

Definition :- The Verb is a word which is used to express some action, existence or feeling.ex- Hear , Listen, laugh , Speak , Cry , Eat etc.
verb से कार्य का करना या होना स्पष्ट होता है। कोई भी वाक्य बिना verb के अपूर्ण है। verb वाक्य का एक महत्वपूर्ण Part है।

ex –

1. Ram writes a letter. (Action)
2. He is leader. (existence)
3. I have a car. (existence)
4. It tastes bitter. (feeling)

verb की तीन form होती है-
1.present 2.past 3.future

Kinds of the Verb :- Verb को मुख्यतः दो भागों में बांटा गया है ।
1.Main verbs 2. Auxiliary Verbs

1.Main verbs:- ये वाक्य में मुख्य कार्य को दर्शाती है जैसे:- पढना(read), खाना(eat) , पीना (drink) etc.

use in sentence:-
1.I am Playing.
2. He is writing.
3. They are reading.
4. He was going market.
5.She went school.
6.He rings the bell.

इन वाक्यों में am ,is , are, was (Auxiliary Verb) है और playing , writing , reading, going , went ,rings (main verb) है।
main verb दो प्रकार कि होती है-

1.Transitive verbs(सकर्मक क्रियाएँ):-ये ऐसी verbs होती है जो अपने साथ object लेती है इसमें जो कार्य (action) हो रहा होता है वो केवल subject तक ही सीमित नहीं रहता इस verb का संबंध object से भी होता है। जैसे:-
Ex1- Ramesh hits a ball.
Ex2-The driver stopped the car. (Transitive
V V Obj
यहाँ Ex1 में 'hits' Transitive verbs है इस वाक्य में action कर्ता(subject) तक ही सीमित नहीं है बल्कि ball से भी pass over हुआ है।
सामान्यतया verbs से 'क्या' या 'किसको' प्रश्न करने पर यदि हमें उत्तर प्राप्त होता है तो वह verb transitive है। जैसे हमें ऊपर दिए गये वाक्य में प्रश्न करने पर (ramesh ने क्या hit किया) हमें उत्तर a ball मिला । अतः hits एक transitive verb है ।

2.Intransitive Verb(असकर्मक क्रियाएँ):-इन verbs में action कर्ता(subject) तक ही सीमित रहता है , object पर pass over नहीं होता है। जैसे:-
1-He sleeps in the bed. (Intransitive)
2. Car stopped.(Intransitive)
3. I Sleep. (Intransitive)
4. I laugh loudly (Intransitive)
इस वाक्य में verb – sleeps ,Intransitive Verbs है ,इसमें action कर्ता तक ही सीमित रह गया है। इन verbs से 'क्या','किसको'प्रश्न करने पर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है ।

Note:- अधिकांश verbs का प्रयोग transitively और intransitively दोनों प्रकार से हो सकता है। जैसे:-

verbs used transitively	verbs used intransitively
He speaks the truth	Sita speaks slowly
He flies kites.	A bird flies.

Other example of transtive और intranstive verb :-
1.The soldier fought the enemy.(Transitive)
2.The soldier fought bravely(Intransitive)

3. They burn the candle.(Transitive)
4. They fire burns silently.(Intransitive)
5. They fly kites. (Transitive)
6.Birds fly high in the sky. (Intransitive)
7.I laugh loudly (Intransitive)
8.He laughs at the beggar (Transitive)
Passive:- the beggar is laughed at by him.
9.He give up smoking (Transitive)
passive:- Smoking was given up by him.

2.Auxiliary verbs:-
ये verb दो प्रकार की होती है –
1.primary auxiliary verbs:- is,am,was, where, do, does, did, has, have, had.

ये सहायक क्रियाएँ काल(tense),वचन (number) व पुरुष(person) से प्रभावित होती हैं I

Primary Auxiliary verb को तीन भागों में बांटा गया है।

Verb 'to be'=is, am, are, was, were,+(v1+ING)
Verb 'to do' = do, does, did + v1
Verb 'to have' = has, have, had + V3

2.Modal Auxiliaries Verbs :- Will, shall, Can, could, would, should, may, might, must ,use to, out to, need dare.
ये सहायक क्रियाएँ काल(tense),वचन (number) व पुरुष(person) से प्रभावित नहीं होती हैं इनके साथ हमेशा verb की 1st form का प्रयोग होता है।

Note :-

1. Primary Auxiliaries का प्रयोग Helping verb और Main Verb दोनों की तरह किया जाता है जबकि Modal Auxiliaries verb सिर्फ Auxiliary Verb की तरह प्रयुक्त होती है।
2. जब Primary Auxiliaries verb का प्रयोग अकेले हो तो यह Main Verb का काम करती है।
जैसे:-

Ex :- 1. He. is (M.V) a doctor.

2. He. is (H.V.) working (M.V) hard.

3. I have (M.V) a good chance.

4. I have (A.V.) worked (M.V) hard.

3. modals पर कर्ता के Number(singular या plural)होने ,या कर्ता के person (1st ,2nd ,3rd person) का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
जैसे :-
1.I can do it.
2.He can do it.
3. They can do it.
4.you can do it.

4. modals verb ,ought और used के बाद हमेशा to का प्रयोग होता है I

Finite verbs :- वे Verbs जो अपने subject के number,person, और tense के अनुसार प्रयुक्त होती हैं finite verbs कहलाती हैं I
Non finite verbs :- वे क्रियाएँ जो अपने subject, number, person और tense के अनुसार प्रयुक्त नहीं होती हैं , non finite(infinite) verbs कहलाती हैं I
Ex:- 1. He dislike smoking.
2. They dislike smoking.
(F.V N.F.V)
3. He is learning English.
(F.V. N.F.V)
4. They are learning French.
(F.V NFV)
5. They hated gambling / They hate gambling.
(F.V. N.F.V. F.V)
6. They want to go.
(F.V. N.F.V)
7. He wants to go.
(F.V N.F.V)

Important rules :-
Rule 1
Negative और Interrogative sentence में do या did के साथ हमेशा have का प्रयोग होता है has या had का कभी नहीं।
Ex:-
1. I do not have any chance to do it now.
2. We do not have all the day for this work.
3. Do you have any hope for his survival ?
4. Mohan does not have a good knowledge in Mathematics.

Rule :- 2 कुछ sentence में has had, have had, had had etc, का प्रयोग होता है इनमें पहला शब्द Auxiliary और दूसरा Main Verb होता है।
Ex:- We have had our lunch at 1 p.m.

Rule:- 3
Subject + has / have / had + no + noun
Subject + has / have / had + not any + noun

Chapter – 9

Time And Tense

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है।
Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है। चलिए नीचे दिए गए उदाहरणों पर हम लोग विचार करते हैं –

1. Veena goes to the market every Sunday.
2. The plane takes off at 5 p.m. tomorrow.
3. He had no money yesterday.

उदाहरण (1) में Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है। लेकिन इससे Past, Present, और Future तीनों का बोध होता है, वीणा Past time में प्रत्येक रविवार को जाती है और आशा है कि Future time में भी प्रत्येक रविवार को जाएगी।

उदाहरण (2) में स्पष्ट होता है कि प्लेन (plane) कल 5 बजे शाम को प्रस्थान करेगा। इस वाक्य में भी Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है, लेकिन इससे future time का बोध होता है।

उदाहरण (3) में Simple Past Tense का प्रयोग किया गया है, तथा इससे past time का बोध होता है।
ऊपर दिए गए उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि Verb के Present Tense में रहने पर भी इस पर Present, Past और Future Time का बोध होता है।
अतः Verb के Tense तथा इसके प्रयोग को सावधानी से समझने की जरूरत है सर्वप्रथम एक प्रश्न उठता है कि Tense क्या है? इस प्रश्न का उत्तर इस प्रकार है :-
Tense : कार्य के समय के मुताबिक Verb के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

1. Present Tense (वर्तमान काल)
2. Past Tense (भूतकाल)
3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने जैसे- हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।
दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -
1.I read a book
मैं पुस्तक पढ़ता हूँ ।
2.I am reading a book
मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ ।
3.I have read a book
मैं पुस्तक पढ़ चुका हूँ।
4.I have been reading a book for an hour
मैं दो घंटे से पुस्तक पढ़ता रहा हूँ।

2.Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं।
दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time. जैसे -
1.I wrote a letter.
मैं पत्र लिखता था या मैंने पत्र लिखा।
2.I was writing a letter.
मैं पत्र लिख रहा था।
3..I had written a letter.
मैं पत्र लिख चुका था या मैंने पत्र लिखा था
4.I had been writing a letter for two days.
मैं दो दिनों से पत्र लिख रहा था

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने जैसे-हो रहा होगा, होता रहेगा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे -
1. I shall write a letter.
मैं पत्र लिखूंगा।
2.I shall be writing later.
मैं पत्र लिख रहा हूंगा।
3.I shall have written a letter.
मैं पत्र लिख चुका हूंगा।
4. I shall have been writing a letter.
मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा।

उपर्युक्त उदाहरण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार - चार उपभेद होते हैं।

I. Present Tense

Present Tense के चार उपभेद होते हैं।

1. Present Indefinite Tense /Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
3. Present Perfect Tense(पूर्ण वर्तमान काल)
4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

I. Simple Present Tense

Structure :

Positive tense :-

Subject +main verb +s/es+Object

Ex-Ram reads books.

Note:- अगर subject singular है (जैसे- he, she, it या किसी व्यक्ति का नाम) तो verb की first form में s या es प्रयोग करेंगें ।

Negative:-

Subject+do/does+not+main verb+Object

Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

1st type:-

Do/does+subj+not+main verb+Object+?

2nd type :-WH words + 1st type

Ex- Does ram read books?

note:-यदि subject एकवचन(He ,She ,It ,name) होगा तो main verb में s या es लगायेंगे और अगर subject बहुवचन(you ,we,they) होगा तो main verb में s या es नहीं लगायेंगे ।

जैसे :-

ram **reads** books.

they **read** books.

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual, or regular or repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) कों express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

Mukesh goes to bed at 10 P.M.

He always comes here on Sunday.

She reads a newspaper every morning.

He takes tea without sugar.

We work eight hours a day.

I live at Mahendru.

Shweta and Anshu are girls.

I get up at 6 a.m. every morning.

Note : सामान्यतः Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) जैसे - always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twise a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि उपरोक्त Adverbs का प्रयोग होने पर Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे-

He always comes here at night.

He generally comes here at night.

He usually comes here at night.

He sometimes comes here at night.

He often comes here at night.

He rarely comes here at night.

He seldom comes here at night.

He never comes here at night.

Rule (2) : इस Tense का प्रयोग Universal truth (सार्वभौमिक सत्य) principal (सिद्धांत) permanent activities (स्थायी कार्य) को express(अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

The Ganges springs from the Himalayas.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

This pen belongs to me.
I have a car.
He owns a big building.

Rule (4) : इस Tense का प्रयोग mental activity (मानसिक क्रिया कलाप), emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे :-

Note : notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love,hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अत : इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है ।

Rule (5) : Simple Present Tense का प्रयोग आने वाले समय में होने वाले सुनियोजित कार्यक्रम (fixed programme) तथा सुनियोजित योजना (fixed plan) को (express) (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

कॉलेज पुन: अक्टूबर को खुलेगा।

He goes to Chennai next month.

वह अगले महीने चेन्नई जाएगा।

She leaves for New York next Monday.

अगले सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेगी।

The prime minister comes here tomorrow.

प्रधानमंत्री कल यहां आएंगे।

My brother returns tomorrow.

मेरा भाई कल लौटेगा।

Note : इस तरह के वाक्यों में future time expressing Adverbs.

जैसे- Tomorrow, next day, next night, next month, next year, next week, In January, In February, In march .... on Monday, on Tuesday. ....etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (6) : Conditional sentence (शर्त सूचक वाक्यों) में सामान्यत: दो Clauses का प्रयोग होता है।

इनमें एक Principal Clause तथा दूसरा subordinate Clause होता है।

Subordinate Clause – यदि वाक्य if, when, before, after, till, until, unless, as soon as, as long as, in case से स्टार्ट होते हैं, तो इनके साथ Simple Present Tense का प्रयोग होता है। तथा Principal Clause के साथ Simple Future Tense का प्रयोग होता है। **जैसे** :-

Ex-1

यदि तुम तेज दौड़ोगे ,	तो तुम रेस में जीत जाओगे।
If you run fast ,	You will win the race.
subordinate Clause ,	Principal clause
Simple Present Tense ,	Simple future tense
Sub+VI+obj ,	sub+shall/will+V2+obj

Ex-2

When he comes here, **he will help me.**

जब वह यहाँ आएगा ,वह मेरी मदद करेगा।

Ex-3

Unless she works hard, she will not succeed.

यदि वह कठिन परिश्रम नहीं करेगी, वह सफल नहीं हो पाएगी।

Ex-4

मैं उसे (स्त्री) पढ़ाऊंगा , यदि वह आएगी

I shall teach her , **if she comes.**

Principal clause   **Subordinate clause**

Rule (7) : Here or There से स्टार्ट होने वाले exclamatory sentence में Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -

Here comes they !
There goes the bus!

Rule (8) : आंखों देखा हाल का प्रसारण (मैच, आयोजन, कार्यक्रम, नाटक, फिल्म, सीरियल आदि) रेडियो या टेलीविजन के द्वारा करने के

ऐसे sentences में at that time ,at that moment , those days आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है !

At that moment ,Mr. Modi was making a speech in the U.S.A.

Translate :-

(1) उन दिनों भारत आतंकवाद की समस्या झेल रहा था ।

those days ,India was suffering /facing the problem of terrorism.

(2) उसी समय आतंकवादी लोगों पर गोलियां चला रहा था ।

At the same time the terrorist was firing at the people.

(3.) उस समय वहाँ तेज बारिश हो रही थी ।

At that time ,there was raining heavily.

Use :- यदि भूतकाल मे दो कार्य साथ-साथ जारी हों , तो दोनों को past continuous tense में रखा जाता है ।

Translate :- (1) जब बारिश हो रही थी तब मैं टी. बी. पर क्रिकेट मैच देख रहा था ।

While it was raining,I was watching cricket match on T.V.

2 देश समस्याएं झेल रहा था जबकि इसके नेता मोज कर रहे थे ।

2 The Country facing problem while its leaders were making a merry.

Ques :- My father was watering the plants,when I ____home.

(1)Have reached

(2) Reach

(3) Reached

(4) Had reached

Ans. (2)

Translate :- (1) जब मैं वहाँ पंहुचा तेज बारिश हो रही थी ।

When I reached there, it was raining heavily.

2 जब नेताजी भाषण दे रहे थे ,एक बम फटा !

While the leader was making speech a bomb exploded.

3 जब मे अपने कमरे मे पढ़ रहा था ,मुझे बाहर शोर सुनाई दिया !

While I was studying in my room,I heard a noise outside.

3 Past Perfect Tense

Affirmative :-

Subject+had+V_3 +other words

Negative :-

Subject+ had+not +V_3 +other words

Interrogative :-

Ist type:- had+subject+v_3+other words

2nd type:- Wh word +Ist type

Ques :- (1) His father had died.

(2) His father had already died.

(3) His father had died before.

Rule :- (1) Past Perfect tense का प्रयोग भूतकाल की दो घटनाओं मे पहली घटना की अभिव्यक्ति के लिये किया जाता है ।

(2) ऐसे sentences में after या before का प्रयोग करके पहली घटना को past perfect tense और दूसरी को past indefinite tense में रखा जाता है ।

(3) यदि एक ही घटना को past perfect में express करना हो तो इनमें already ,before ,since ,then so far etc ...का प्रयोग किया जाता है

Translate :-

(1) . मेरे स्टेशन पहुँचने से पहले गाड़ी छुट चुकी थी ।

The train had started before I arrived at satation.

(2) डॉक्टर के पहुँचने से पहले मरीज मर चूका था ।

The patient had died before the doctor reached.

(3) वहा पहुँचने के बाद मुझे सत्य पता चला ।

I came to know the truth after I had reached there.

(4)वह तब तक लाल किले का भ्रमण कर चूका था ।

He had visited the Red Fort so far.

Note :- जिस clause में before आये वो past indefinite तथा after के clause में past perfect का प्रयोग होता है !

(3) (a) necessary (b) important
(c) urgent

(4) (a) found (b) remembered
(c) known

(5) (a) because (b) when
(c) while

(6) (a) Culprit (b) reservoir
(C) producer

Chapter – 16

Idioms & phrases

1.carpeteeping statement - Thoughtless statement - व्यापक बयान
2.All at sea - puzzled - आश्चर्यचकित
3.Enough rope - Enough freedom for action - कार्य करने की स्वतंत्रता देना
4.By fits and start - irregularly - अनियमित
5.Fell foul of - Got into trouble with - दुविधा में फसना
6.Token strike - short strike held as waring - बड़ी हड़ताल की चेतावनी
7.Face the music - Get reprimanded - डाट खाना / आलोचना खेलना
8.Look down upon - Hate intensely - घृणा करना
9.Flogging a dead horse - wasting time in useless effort - बेकार कार्य में समय बर्बाद करना
10.under a cloud - under suspicion - शक के दायरे में
11.Green thumb - To have a natural interest / स्वाभाविकता
12.played havoc - caused destruction / तबाही मचाना
13.No love lost between - Not on good terms / संबंधों में खटास होना
14.Fair and square - Honest / ईमानदार
15.A white elephant -costly or troublesome possession/ महँगी और व्यस्त वस्तु
16.Out and out -Totally / पूर्णतय:
17. On the cuff - On credit / उधारी पर

18.Does not hold water - cannot be believed / विश्वास करने के अयोग्य
19. A wild goose chase - Futile search / व्यर्थ प्रयास
20. In a tight corner - In a difficult situation / कठिन परिस्थिति में
21. Going places - Talented and successful / प्रतिभाशाली और सफल व्यक्ति

नोट – प्रिय पाठकों , ये हमारे नोट्स का एक सैंपल ही है , यदि आपको हमारे नोट्स के **सैंपल अच्छे लगे हों** तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"हरियाणा CET (Common Eligibility Test)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद !

संपर्क करें – 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 9887809083

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	Website- https://bit.ly/haryana-cet-notes
नोट्स खरीदने के लिए इन नंबरों पर कॉल करें	+918233195718
TELEGRAM CHANNEL	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusion.notes
WHATSAPP करें	https://wa.link/c93yfc